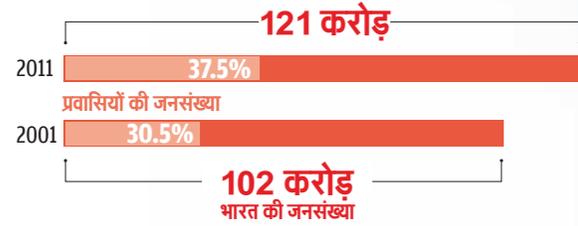


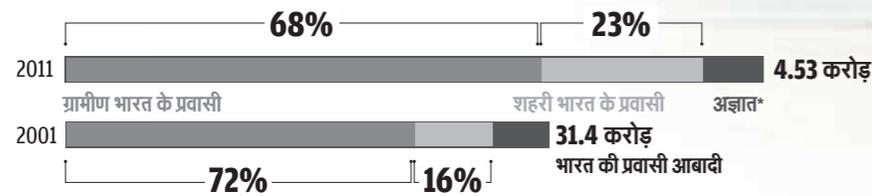
बढ़ता पलायन

भारतीय लोग पहले से कहीं अधिक पलायन कर रहे हैं। एक ओर जहां देश की आबादी में 2001 और 2011 के बीच 17.64 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं प्रवासियों की आबादी में इसी अवधि के दौरान 44 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है

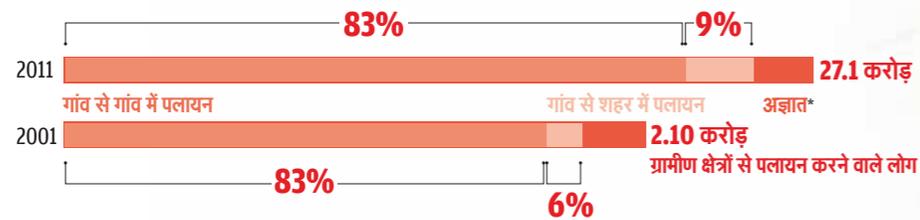
हर तीसरा भारतीय प्रवासी है



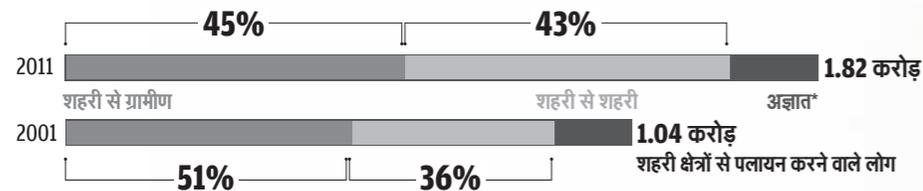
शहरी क्षेत्रों में पलायन की दर में तेजी से वृद्धि हुई है



इसका कारण गांवों से शहरों की ओर पलायन की दर बढ़ना है ...



... और शहर से शहरों की ओर पलायन की दर भी बढ़ी है



* गंतव्य के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं



5.9 करोड़

लोग उत्तर प्रदेश से हर साल पलायन करते हैं, जो देश भर में सबसे अधिक है

5.8 करोड़

लोग हर साल काम, व्यापार और शिक्षा के लिए पलायन करते हैं

प्रवासियों ने किधर का रुख किया

दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों में प्रवासी जनसंख्या में वृद्धि की दर सबसे अधिक दर्ज की गई है

सबसे अधिक प्रवासी वृद्धि दर वाले शीर्ष 10 राज्य			
राज्य	2001 (करोड़)	2011 (करोड़)	वृद्धि (%)
मेघालय	0.037	0.077	108
तमिलनाडु	1.582	3.133	98
मणिपुर	0.037	0.073	97
केरल	0.92	1.633	77
जम्मू कश्मीर	0.181	0.283	55
असम	0.679	1.015	52
कर्नाटक	1.656	2.5	51
आंध्र प्रदेश	2.346	3.315	42
भारत	31.454	45.364	44

पलायन क्यों

एक ओर जहां पलायन के लिए सामाजिक कारक प्राथमिक कारण होते हैं, वहीं बड़ी संख्या में लोग आर्थिक कारणों से भी पलायन कर रहे हैं

कारण	2001 (करोड़)	2011 (करोड़)	वृद्धि (%)
काम	3.0	4.6	53
व्यापार	0.3	0.4	33.33
शिक्षा	0.3	0.8	166.67
शादी	15.6	22.4	43.59
जन्म के बाद प्रस्थान	1.6	4.8	200
बोरिया-बिस्तर सहित पलायन	4.3	7.0	62.79
अन्य कारण	6.4	5.3	-17.18

डीटीई/सीएसई डेटा सेंटर द्वारा तैयार
इंफोग्राफिक: राज कुमार सिंह
विश्लेषण: किरण पांडेय और रजित सेमगुना
डेटा स्रोत: भारतीय जनगणना 2001 और 2011
अन्य इंफोग्राफिक के लिए www.downtoearth.org.in/infographics जाएं।